वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 312 | रविवार 12 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आमजन की गाढ़ी कमाई को धोखे से हड़पने वाली सोसाटियों के खिलाफ सख्त त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री ने शनिवार को उच्चाधिकारियों के साथ की विस्तृत समीक्षा-मिशन मोड अप्रोच के साथ बड्स एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की गाढ़ी कमाई को ठगने वाली सोसायटियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ रही है। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी सहित ऐसी सोसायटियों का संबंध चाहे किसी भी रसूखदारों से हो, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। गहलोत ने कहा कि आमजन की राज्य सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। गहलोत ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चाधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि आमजन की गाढ़ी कमाई को धोखे से हड़पने वाली सोसायटियों के खिलाफ 1 लाख 12 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इनके खिलाफ दी बैनिंग ऑफ अनरेगुलेटेड डिपोजिट एक्ट (बड्स एक्ट) के तहत कड़ी कार्रवाई की दिशा में काम शुरू हो गया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सोसायटियों के प्रकरणों में ईडी को कई बार लिखा जा चुका है, उन्हें कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए। हाल ही लोकसभा में एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में को-ऑपरेटिव केंद्रीय मंत्री द्वारा संजीवनी सहित अन्य सोसायटियों की एक सूची सदन के पटल पर रखी, जिसमें लिक्विडेटर नियुक्त करने का उल्लेख किया गया था। इसके बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

सम्पत्तियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग, पुलिस विभाग और एसओजी के अधिकारियों को आपसी सामंजस्य बनाकर प्रकरण में प्राप्त शिकायतों के अनुसार त्वरित कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोसायटियों में करोड़ों रुपए निवेश कर चुके निवेशकों की पीड़ा बहुत मार्मिक है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को सभी जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, रजिस्ट्रार सहित सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्रवाई को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। गहलोत ने सहकारिता अधिकारियों को पब्लिक नोटिस जारी कर ऐसी सोसायटियों से सतर्क रहने संबंधित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव उषा शर्मा, महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा, प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव गृह आनंद कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एसओजी अशोक राठौड़, रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग मेघराज सिंह रतनु एवं विशेषाधिकारी सहकारिता महेंद्र सिंह राघव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बताया कि आमजन की गाढ़ी कमाई को धोखे से हड़पने वाली सोसायटियों के खिलाफ 1 लाख 12 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इनके खिलाफ दी बैनिंग ऑफ अनरेगुलेटेड डिपोजिट एक्ट (बड्स एक्ट) के तहत कड़ी कार्रवाई की दिशा में काम शुरू हो गया है।

प्रेम और सौहार्द का पर्व होली

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज सेंट मेरी कन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में सर्व धर्म मैत्री संघ की मासिक सभा आयोजित की गई। देश में प्रेम व सौहार्द का वातावरण किस प्रकार से बने इस विषय पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जो हमारी विशेष पर्व है उनको हम प्रेम और सौहार्द के साथ सभी वर्गों के बीच में किस प्रकार से मनाएं इस पर निर्णय लिया गया मासिक सभा मासिक सभा के अंत में सभी सदस्यों व पदाधिकारियों के द्वारा एक दूसरे को तिलक रंग लगाकर प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया यह पर्व प्रेम सौहार्द का प्रमुख पर्व है इस अवसर पर फादर कॉस्मो शेखावत सरदार दिलीप सिंह छाबड़ा हरदीप सिंह कश्मीर सिंह डॉ राकेश कटारा तान सिंह शेखावत स्पीक मैम श्रीमती ज्योति आना सिस्टर अनुषा अजीत दुआ एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे कार्यक्रम का प्रारंभ सर्वधर्म प्रार्थना ऐ मालिक तेरे बंदे हम से की गई वह अंत में अध्यक्ष प्रकाश जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया

ज्ञान बिना सब सून-आर्यिका स्वस्तिभूषण

12 मार्च को होगी सामान्य ज्ञान परीक्षा, 15 मार्च को प्रातः होगा मुरार (ग्वालियर) के लिए विहार

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। ज्ञान के विना मनुष्य का जीवन अंधकार मय हैं । यदि व्यक्ति विवेकवान है तो वह जीवन में निरन्तर उन्नति करता है और यदि वह विवेकहीन है तो वह उन्नति के शिखर से कोसों दूर रहता है। इसीलिए किसी ने ठीक ही कहा है कि ज्ञान विना सब सून। यानिकि ज्ञान के बिना सब सूना है, सब बेकार है। वर्तमान में हम देवी देवताओं के मंदिरों का निरन्तर निर्माण करते जा रहे हैं लेकिन ज्ञान के मंदिरों को भूलते जा रहे है । जबकि होना यह चाहिए कि यदि हम एक मन्दिर का निर्माण करते हैं तो उसके साथ ही हमें एक ज्ञान के मन्दिर यानिकि एक स्कूल का भी निर्माण करना चाहिए । स्कूल यानिकि शिक्षा का मंदिर, जहां बच्चों को लौकिक शिक्षा के साथ साथ धर्म और संस्कारों की भी शिक्षा दी जाए । यदि आज की पीढ़ी को, आज के बच्चों को हमनें अपने धर्म या संस्कारों की शिक्षा नहीं दी तो आज से 40-50 वर्षों बाद आपके इन मंदिरों में जाने बाला या पूजा पाठ करने बाला कोई नहीं होगा । वर्तमान में धर्म के साथ साथ शिक्षा पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जिससे आने वाली पीढ़ी ज्ञानवान बन सके। उक्त विचार स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने बड़े जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मुरेना नगर में विराजमान गणिनी आर्यिका श्री लक्ष्मीभूषण, श्री स्वस्तिभूषण, श्री अंतसमति माताजी के पावन सान्निध्य में बड़ा जैन मंदिर मुरेना में दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा एवं शिखर कलशारोहण समारोह चल रहा है। समारोह के प्रथम दिन प्रातःकालीन वेला में श्री जिनेन्द्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के पश्चात याग मंडल विधान किया गया । आज रविवार को नवनिर्मित वेदियों पर जिनेन्द्र देव की मूर्तियों को विराजमान किया जाएगा । ततपश्चात नवनिर्मित शिखरों पर कलश स्थापित किये जायेंगे। आज रविवार को दोपहर 03 बजे से 04 बजे तक बस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता रखी गई है जिसमें जैन समाज का कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। प्रवचनों ग्रेटर ग्वालियर से आये हुए गुरुमां के भक्तों ने ग्वालियर नगरागमन हेतु श्रीफल भेंट किया। श्रीफल भेंट करते समय सर्वश्री बालचन्द जैन, गौतम गोधा, मयंक पांड्या, विनय कासलीवाल, रतन अजमेरा, कमलेश बिलाला, सौरभ चांदबाड, सौरभ जैन एडवोकेट, अनुराग जैन, चक्रेश जैन, मुरार जैन समाज के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन, दिनेशचन्द्र जैन ऐसा वाले, मूलचंद ठेकेदार, योगेश जैन खोआ वाले, महेंद्र जैन दुहिया वाले सहित सैकड़ों की संख्या में गुरुमां के भक्त उपस्थित थे । भक्तों की भावना को दृष्टिगत रखते हुए पूज्य गुरुमां श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने ग्वालियर की स्वीकृति प्रदान की। स्वस्तिधाम प्रणेत्री, विदुषी लेखिका पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका ससंघ 15 मार्च को प्रातः 07 बजे मुरेना से मुरार (ग्वालियर) के लिए विहार करेंगी ।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ एनएसएस शिविर व विदाई समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

बनीपार्क स्थित एस.एसजी पारीक पीजी महिला महाविद्यालय, चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन और विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि , एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर, एनएसएस की जिला समन्वयक अधिकारी डॉ. स्निग्धा शर्मा और प्राचार्य डॉ. विजयलक्ष्मी पारीक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर एनएसएस के श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेलकूद में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस दौरान, एनएसएस के क्षेत्रीय निदेषक एसपी भटनागर ने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ी जानकारियों को साझा किया और एनएसएस की जिला समन्वयक अधिकारी डॉ. स्निग्धा शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यकर्ताओं को इसके लक्ष्य और इसके राष्ट्रीय गीत का महत्व बताया और सामुदायिक तौर पर आगे बढ़ने और देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

गूंजे सांवरिया हनुमानजी महाराज के जयकारे, भजनों से अर्पित भक्ति के पुष्प

महाआरती व छप्पन भोग से सांवरिया हनुमान मंदिर के तृतीय पाटोत्सव का समापन

भजन संध्या में बही भक्ति की रसधारा, गोकुल शर्मा के भजनों पर झूमते रहे भक्तगण

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री सांवरिया हनुमानजी की भक्ति की ऐसी रसधारा भजनों के माध्यम से प्रवाहित हुई कि उसमें डूब रहे श्रोताओं को कब आधी रात भी बीत गई इसका अहसास भी नहीं हुआ। भजनों के माध्यम से भक्ति के पुष्प हनुमानजी महाराज को अर्पित किए गए तो जय श्रीराम, हनुमानजी महाराज की जय, सांवरिया हनुमानजी की जय जैसे जयकारे गूंजते रहे। भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित होने का ये नजारा भक्ति का शुक्रवार रात कारोई के श्रीसांवरिया हनुमान मंदिर के तीन दिवसीय तृतीय पाटोत्सव के दूसरे दिन गोकुल शर्मा एंड पार्टी की भजन संध्या में दिखा। पाटोत्सव के अंतिम दिन शनिवार दोपहर 12.15 बजे श्री सांवरिया हनुमान मंदिर में पूज्य महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में महाआरती एवं छप्पन भोग का आयोजन हुआ। लेटे हुए हनुमानजी की प्रतिमा के समक्ष महाआरती करने वालो में महंत बाबूगिरी महाराज के साथ हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा, निम्बार्क आश्रम के महंत मोहनशरण शास्त्री, हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदास, समोडी के रामदास महाराज, ओम साईराम, मुरारी पांडे के साथ सहाड़ा विधायक गायत्रीदेवी त्रिवेदी सहित कई गणमान्यजन एवं भक्तजन शामिल थे। महाआरती के बाद छप्पन भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद पाने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। छप्पन भोग के लाभार्थी गंगापुर निवासी रामगोपाल काकानी रहे। इससे पूर्व शुक्रवार रात मंदिर के बाहर विशाल परिसर में आयोजित भजन संध्या में गोकुल शर्मा के हनुमानजी महाराज एवं सांवरिया सेठ की भक्ति से ओतप्रोत भजनों के माध्यम से भक्ति की ऐसी धारा बही कि उसके साथ सैकड़ो भक्त भी स्वयं को झूमने से नहीं रोक पाए। महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में भजन संध्या की शुरूआत गणपति वंदना व गुरू वंदना से हुई। भजन संध्या में कानोड़ा पुर हनुमान मंदिर के कुशाल भारती महाराज का भी सानिध्य मिला। बेगूं क्षेत्र निवासी गोकुल शर्मा ने जोगणिया माता की स्तुति के साथ भजनों की प्रस्तुति देना शुरू किया। एक के बाद एक श्रीसांवरिया हनुमानजी महाराज की भक्ति के ऐसे भजन पेश किए कि आधी रात तक भी श्रोता भजनों की सरिता में डूबे रहकर झूमते रहे। उन्होंने भगवान राम की स्तुति में राम सियाराम, सियाराम जय जय राम भजन पेश किया। सांवरियों है सेठ म्हारो, राधाजी है सेठानी भजन पर सैकड़ो भक्तगण एकसाथ थिरकने लगे। उन्होंने भगवान सांवरियाजी की आराधना करते हुए सांवरिया सेठ दे दे भजन प्रस्तुत किया। भजन संध्या का भक्तिमय संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया। भजन संध्या के दौरान सहयोगी गायक बनवारी सेन रहे। भजन संध्या की प्रस्तुति देने वाली टीम में अशोक सुथार, लक्ष्मण शर्मा, लक्कीजी, दीपककुमार, गोकुल धाकड़ आदि शामिल थे।

वेद ज्ञान

सकारात्मक दृष्टिकोण रखें...

मनुष्य की अच्छी वृत्ति ही सद्वृत्ति है। यानी जो भी कार्य हम करते हैं, उसके प्रति हमारी मनोभावना सच्ची हो। सद्वृत्ति का मतलब है-हमारी मन की सभी वृत्तियां सच्ची और अच्छी हों। उसमें किसी भी प्रकार का कोई गलत विचार न आए। हम जो भी कार्य करें, वह अच्छी भावना के साथ करें। अच्छे लोगों को प्रोत्साहित करें। कुछ ऐसा कार्य करें, जिससे समाज में एक नई प्रेरणा जाग्रत हो, समाज का पथ-प्रदर्शन हो। हम ऐसा कार्य करें कि लोगों का जीवन जागृत हो, नई मनुष्यता और नए जगत का सूत्रपात हो। जब भी किसी की तारीफ होती है, वह अच्छे कार्यों के लिए होती है। गलत कार्यों की कोई प्रशंसा नहीं करता। इसलिए हम जो भी सोचें या कार्य करें, वह उत्तम हो। उत्तम यही है कि हमारे प्रत्येक कार्य में हमारे साथ ही सबका हित हो। विचार ही मनुष्य का जीवन और मृत्यु है। विचारवान व्यक्ति हमेशा अच्छा ही कार्य करेगा। अच्छे विचार का मतलब सकारात्मक सोचते हुए और विकारों से दूर रहकर कर्म करना है। अपने कार्य के प्रति हम जितना सकारात्मक और आशावादी होंगे, हमारी सद् वृत्ति उतनी ही अच्छी होगी। नकारात्मक विचार ही मृत्यु है। सफलता और असफलता जीवन की घटनाएं हैं, लेकिन मनुष्य को प्रत्येक परिस्थिति में अपनी वृत्तियों को अच्छा बनाए रखना चाहिए। यह तभी संभव है, जब व्यक्ति आशावान और सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा। असल में हमारे अंतर्मन की वृत्तियों में सामान्यतः कुछ न कुछ बुरी भावनाएं-विचार हमेशा आते और पनपते रहते हैं। संकल्प के साथ विकल्प भी आते रहते हैं, लेकिन यदि व्यक्ति अभ्यास करे, तो इनसे दूरी बनाई जा सकती है। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन, अभ्यास से तुम अपने अंतर्मन की चंचल वृत्तियों को रोककर अपने मन को एकाग्र कर सकते हो। जैसा हम जानते हैं कि मनुष्य को काम, क्रोध, मोह, लोभ आदि विकार घेरे रहते हैं, लेकिन अच्छे विचारों के माध्यम से इनसे छुटकारा पाया जा सकता है। जीव तभी जीव बनता है, जब उसके अंदर कुछ न कुछ कमी रह जाती है। कहीं न कहीं वह कोई गलती कर जाता है, जिससे वह पूर्ण नहीं हो पाता। नर में नारायण बनने की शक्ति है, लेकिन यह तभी संभव है, जब मनुष्य अपनी वृत्तियों और चित्त को निर्मल और स्वच्छ रखे और एक-दूसरे के साथ भाईचारा, प्रेम, सहृदयता रखे।

संपादकीय

चुनावी वर्ष : तोहफों और लुभावनी योजनाओं की बरसात

अब यह चलन-सा बन चुका है कि चुनावी वर्ष में सरकारें बजट में तोहफों और लुभावनी योजनाओं की बरसात कर देती हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का बजट इसका ताजा उदाहरण है। उसने बजट में प्रावधान किया है कि युवाओं को ढाई हजार रुपए मासिक बेरोजगारी भत्ता देगी। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, होमगार्डों, ग्राम कोटवारों आदि के मानदेय में भी वृद्धि की घोषणा की है। बजट में युवाओं, किसानों, महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों को खुश करने का प्रयास किया गया है। इसी तरह एक दिन पहले मध्यप्रदेश सरकार ने भी अपने बजट में लाड़ली बहना योजना शुरू की, जिसके तहत ऐसी महिलाओं को एक हजार रुपए प्रति माह सरकारी सहायता देने की घोषणा की गई, जो आयकर के दायरे में नहीं आतीं और जिनके परिवार की आमदनी ढाई लाख रुपए वार्षिक से कम है। राजस्थान सरकार तो पहले ही ऐसी लुभावनी योजनाओं की बरसात कर चुकी है। गौरतलब है कि इन तीनों

राज्यों में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं और सभी राजनीतिक दल उसकी तैयारी में जुटने लगे हैं। इन सरकारों की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से चुनावी मकसद देखा जा सकता है। हर कल्याणकारी सरकार का दायित्व है कि वह अपने नागरिकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनने के अवसर उपलब्ध कराए। अगर ऐसा नहीं हो पाता, तो निर्बल वर्ग के लोगों को वित्तीय मदद मुहैया कराए। मगर सवाल है कि क्या ऐसे बजटीय प्रावधानों से ये संवैधानिक तकाजे पूरे हो सकते हैं। खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। यह केवल कोरोना महामारी के प्रभाव में नहीं हुआ है। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह से भी हुआ है। मगर इस कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए सरकारों ने मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो। इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को वजीफा देने की घोषणा की थी। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले। लोगों के हाथ में काम होगा, तो उन्हें इस तरह सरकारों की मुफ्त की योजनाओं के लिए हाथ परसारने पर मजबूर ही नहीं होना पड़ेगा। जब लोगों के हाथ में काम होता है, तो न सिर्फ उनकी पारिवारिक स्थिति सुधरती है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है। इस बात से सरकारें अनजान नहीं हैं, मगर लगता है कि उन्होंने नौकरी और रोजगार सृजन की तरफ से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की योजनाओं को सबसे आसान रास्ता समझ लिया है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सत्ता की लड़ाई

सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बाद इमरान खान और उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को कई स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लाहौर हाई कोर्ट से फिलहाल गिरफ्तारी से राहत भले मिल गई हो, लेकिन वहां के राजनीतिक हलके में जिस तरह दांवपेच का खेल चल रहा है, उसमें सत्ता कब कौन-सा रुख अख्तियार करेगी, कहना मुश्किल है। गौरतलब है कि सत्ता से बाहर होने के बाद से इमरान खान ने मौजूदा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है और इस क्रम में अलग-अलग मंचों से सवाल उठाते हुए धरना-प्रदर्शनों के जरिए चुनौती पेश की है। इसी दौरान एक बार उन पर जानलेवा हमला भी हुआ। दूसरी ओर, सरकार की ओर से वे तमाम हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, जिसके जरिए इमरान खान को बाधित किया जा सके। इस बीच सरकार का जैसा रवैया सामने आ रहा है, उसमें ऐसे आरोप लगाए जाने लगे हैं कि पाकिस्तान में सेना का हाथ जिस पार्टी के सिर पर होता है, वहां की सरकार उसी मुताबिक काम करती है। यही वजह है कि सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बाद इमरान खान और उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को कई स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, पाकिस्तान में चुनाव कार्यालयों के बाहर हुए प्रदर्शनों के हिंसक रूप अख्तियार कर लेने के मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी लगभग तय मानी जा रही थी। मगर उन्हें राहत इस बात से मिली कि लाहौर हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर लिया और फिलहाल उन्हें सुरक्षात्मक जमानत दे दी है। हालांकि तोशखाना मामले से संबंधित शिकायत अदालत में कैसा मोड़ लेगी, कहा नहीं जा सकता। सही है कि इमरान खान के सरकार में रहते हुए भी पाकिस्तान की आर्थिक हालत कोई बेहतर स्थिति में नहीं थी। मगर उनके सत्ता छोड़ने के बाद महंगाई समेत तमाम आर्थिक मोर्चों पर जो दुर्दशा देखी जा रही है, उससे वहां आम लोगों को बेहद मुश्किल हालात का सामना करना पड़ रहा है। एक तरह से इमरान खान के लिए यह अनुकूल मौका है कि वे सरकार को कठघरे में खड़ा करें और प्रतिरोध को अवाम के बीच ले जाएं। उन्हें और उनकी पार्टी को इस मामले में काफी हद तक कामयाबी मिली भी है। पाकिस्तान सरकार के लिए यही चिंता की बात है। मगर इसके समांतर पाकिस्तान का एक सच यह भी है कि वहां सरकार बनाने से लेकर गिराने तक में सेना का दखल रहता है। इस बार भी इमरान खान की सरकार गिरने और मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में सरकार बनने में पाकिस्तानी फौज की भूमिका अहम मानी जा रही है। दरअसल, पाकिस्तान में जिस पार्टी को सेना का वरदहस्त प्राप्त होता है, सत्ता उसके अनुकूल ही काम करती है। पिछले साल इमरान खान की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के वक्त भी बदहाल अर्थव्यवस्था और लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए सेना ने पाकिस्तान में मिली-जुली सरकार बनाने की कोशिश की थी। मगर इमरान खान इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि करीब एक महीने पहले इमरान खान ने खुलेआम पाकिस्तान की सत्ता में सेना के दखल का जिक्र किया और अपनी सरकार गिराने में पूर्व सैन्य प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की भूमिका की जांच कराने की मांग की थी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और होली स्नेह मिलन पर शांति जैन महिला मंडल ने महिलाओं का किया सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली स्नेह मिलन समारोह पर जैन समाज की मुख्य महिला मंडल शांति जैन महिला मंडल ने समाज सेवा योगदान देने वाली महिलाओ का शांति भवन मे किया सम्मान। महिला मंडल कि अध्यक्षा सुनीता बोरदिया मंत्री प्रेरणा लोढ़ा ने जानकारी देते हुये बताया कि शनिवार को दोपहर स्नेह मिलन और सम्मान समारोह का आयोजन शांति भवन मे साध्वी सुशीला कंवर,साध्वी मणीप्रभा ऐष्वर्य प्रभा आदि ठाणा के सानिध्य एवं समाज सेविका स्नेहलता धारीवाल प्रांतिया अध्यक्षा महिला जैन कॉन्फ्रेंस की नीता बाबेल,सरिता नाबेड़ा,सुशीला छाजेड़,रेखा सुराणा बलबीर देवी चौरड़िया, पूर्व सभापति मंजु पोखरना तथा महिला मंडल की संरक्षिका इन्द्रा बाफना,ज्ञान देवी बुरड़, रिना सिसोदिया,नीतू चोरड़िया, प्रिती गुगलिया, अरूणा पौखरना, राखी खमेसरा तथा शांति भवन के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़ मंत्री राजेन्द्र सुराणा, सुशील चपलोत, महावीर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष पुखराज चौधरी,मंत्री प्रदीप पारख अरिहंत चिकित्सालय के ट्रस्टी ज्ञानचन्द सांखला आदि पदाधिकारियों और सैकडों महिला सदस्यों की उपस्थिति मे समाज सेवा मे उलेखनीय योगदान देने पर प्रमीला सूरिया और डॉक्टर विनीता मारू को रानी रत्ना पद से अलंकृत किया गया। इस दौरान समारोहों मे पधारे अतिथियों ने कहा कि वर्तमान परिवेश मे बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ अगर संस्कार निर्माण की शिक्षा देंगे तो वह स्वंय का निर्माण करेंगे और साथ ही समाज और राष्ट्र का उत्थान कर पायेंगे। नारी एक कुल का नही दो कुल का नाम रोशन करती है। हर क्षैत्र मे महिलाये पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बराबर योगदान दे रही है ।किसी क्षैत्र मे भी पीछे नही है। चाहे परिवार हो या समाज सेवा हर क्षैत्र मे महिला शक्ति आगे है।समारोह कि शुरूआत मे महामंत्र नवकार और स्वागत गीत के माध्यम से महिला मंडल की बहनो ने सभी का अभिनन्दन किया । विचित्र वेशभूषा के माध्यम से देवियो के अवतार को दर्शाया गया जिसमें भाग लेने वाली महिलाओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया । स्नेहलता चौधरी सरिता पौखरना तथा पदमा दरणा आदि सदस्यों का सहयोग रहा स्नेह मिलन और सम्मान समारोह पधारे सभी आभार व्यक्त मंडल अध्यक्ष सुनीता बोरदिया द्वारा किया गया।

> समारोहों मे पधारे अतिथियों ने कहा कि वर्तमान परिवेश मे बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ अगर संस्कार निर्माण की शिक्षा देंगे तो वह स्वंय का निर्माण करेंगे और साथ ही समाज और राष्ट्र का उत्थान कर पायेंगे।

दया दृष्टि फाउंडेशन वरिष्ठ जन होली मिलन आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा होटल द फर्न हैबिटेट में संगीतमय कार्यक्रम के साथ वरिष्ठ जन होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में फाउंडेशन के परिचय , पिछले 1 वर्ष के कार्यकलाप तथा आगामी कार्यक्रमों पर डायरेक्टर पूनम खंगारोत व शिखा शर्मा ने प्रकाश डाला। कार्यकारी निदेशक गोपाल शर्मा ने सदस्यता परिकल्पना प्रस्तुत की।अध्यक्ष प्रतिभा शर्मा और उपाध्यक्ष निशा बंसल ने सभी का चंदन केसर तिलक लगाकर स्वागत किया। समारोह में ख्यातनाम गायक कलाकार सिराज खान,पारीक ब्रदर्स , प्रीति पुरोहित, जितेंद्र भारद्वाज ,सीमा वालिया, शालू आदि ने सुमधुर संगीतमय प्रस्तुतियों से मनमोहक समाँ बांध दिया। वरिष्ठ जन अपने कुछ अच्छे पल हमारे साथ बिता सकें इसी उपलब्धि को लेकर यह आयोजन किया गया था। डायरेक्टर अलका चौधरी ने मुख्य संरक्षक गोपाल गुप्ता जी, ध्रुवदास अग्रवाल, नटवर लाल, शंकर सिंह, उषा श्री, शंकर गर्ग, पृथ्वीराज शर्मा, राज कुलदीप सिंह आदि आगंतुकों का आभार प्रकट करते हुए अन्य सदस्यों का भी का भी आभार प्रकट किया। अध्यक्ष प्रतिभा शर्मा तथा उपाध्यक्ष निशा बंसल ने अंत में सभी अगुंतकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संसार में पुण्य और पाप दो की लीला है: आर्यिका सूत्रमति माताजी

आर्यिका माताजी का संध बरुणी से टोंक पहुंचा। निवाई मे भगवान आदीनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव 16 मार्च को मनाया जाएगा

विमल जौंला. शाबाश इंडिया।

निवाई। परम पूज्य आचार्य सुनील सागर महाराज की शिष्या आर्यिका सूत्रमति माताजी ने शनिवार को बरुणी गाँव में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो आत्मा को पवित्र करें निर्मल बनाए वह पुण्य है और जो आत्मा का पतन करें दुर्गति मे ठोकरें दिलाये वह पाप है। आर्यिका सूत्रमति माताजी शनिवार को सुबह गाँव बरुणी मे धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिससे सौभाग्य जगे, भाग्य फले, मन चिंतित कार्य सम्पूर्ण हो, पांचों इन्द्रियों की अनुकूलता मिल जाए, शरीर में आधि व्याधियां प्रवेश न करे, सारे संसार में इच्छित वस्तुएँ मिल जाए उसे पुण्य कहते हैं।उन्होंने कहा कि जिससे अनुकूलता मिले वह पुण्य और जिससे प्रतिकूलता मिले वह पाप है। यघपि आध्यात्मिक दृष्टि से पुण्य पाप को आत्मा के उत्थान पतन मे सहायक नहीं माना क्योंकि ऐसा मान लेने पर आत्मा का अस्तित्व ही नहीं रह जाएगा। आत्मा ज्ञान दर्शन स्वरूप है और पुण्य पाप अचेतन जड़ रुप है किन्तु संसारी प्राणी पुण्य और पाप के मध्य उलझकर अपना सर्वस्व कर्मो के उपर डाल देता है। माताजी ने कहा कि संसार में पुण्य और पाप दो की लीला है। बुद्धि पूर्वक पाप न करना, न करने वालों को सहयोग देना तथा पुण्य करम के उदय मे असहायों, गरीबों, दीन दुखियों को नहीं सताना और धर्म तथा धेर्य को किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ना। अनुकूलता प्रतिकूलता तो पुण्य पाप के आधीन है। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका सूत्रमति माताजी संघ सहित गांव बरुणी से मंगल विहार करके सोहेला पंहुचे जहाँ समाजसेवी बाबूलाल जैन पप्पूलाल जैन नवरत्न टोंग्या विमल सोगानी नरेश हथौना विमल जौंला डब्बू संधी पवन सोहेला राजेश जैन सोनू जैन आशा सिरस शशी सोगानी अर्चना टोंग्या ममता जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने पगप्रछालन करके अगुवानी की। जौंला ने बताया कि जैन समाज निवाई के तत्वावधान में माताजी का संघ टोंक सीमा में पहुंचा।

पदमपुरा में पद्म प्रभ महाअर्चना व विश्व शान्ति महायज्ञ का आयोजन आज

तीन संघों का हुआ महामिलन, अब विधान में होंगे 108 मण्डलमुनि शिवा नन्द जी ने दर्शन व पूजा का भेद समझाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा पदमपुरा कमेटी के सहयोग से पदमपुरा में आयोजित होने वाले रविवार के भव्य धार्मिक महोत्सव के सानिध्य हेतु आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के आठ शिष्य मुनि श्री ज्ञाना नन्दजी श्री संयमा नन्दजी श्री श्रद्धा नन्दजी श्री शिवा नन्दजी श्री प्रशमा नन्दजी श्री पवित्रा नन्दजी ससंघ का मंगल प्रवेश शनिवार को प्रातः गाजे बाजे व लवाजमे के साथ हुआ । संघ के छ साधुओ का जहाजपुर से पद विहार व दो साधुओ का तथा एक माताजी विजय मति जी का जयपुर से पद विहार हुआ और तीनो संघों का पदमपुरा में शनिवार महा मिलन हुआ। मुनि शिवानंद जी महाराज जी ने पदमपुरा भव्य प्रवेश के उपरांत प्रवचन में दर्शन और पूजा में भेद बतलाते हुए बताया कि श्रावक के षट आवश्यक कार्य में पूजा का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए देव पूजा को षट आवश्यक में प्रथम स्थान दिया है। श्रावक को सुबह की शुरूआत पूजा के साथ अवश्य करनी चाहिए ।पदमपुरा कमेटी के मंत्री हेमन्त सोगानी व संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की रविवार को महोत्सव 66 मण्डलीय नहीं होकर भक्तों की माँग पर संघ के आशीर्वाद से 108 मण्डलीय होगा तथा मुनि श्री के अवतरण दिवस का विशेष आयोजन होगा। मंगल प्रवेश में पदमपुरा कमेटी चित्रकूट प्रताप नगर थडी मार्केट जनकपुरी आकोड़िया चाकसू बापूगाँव आदि स्थानों के श्रावकों की सहभागिता रही। संघ का जगह-जगह पाद प्रक्षालन व आरती की गई। पदमपुरा कमेटी के सुरेश काला, प्रेम चंद छाबड़ा बाबू लाल खोरा, नेमि चंद गंगवाल आदि व संस्थान के पदाधिकारियों सुनील पहाड़िया, पंकज लुहाड़िया, राकेश मधोराजपुरा, रश्मि कांत सोनी, महेश काला, देवेंद्र कासलीवाल, कमल दीवान, ज्ञान चंद भोंच, जीतू गंगवाल आदि ने मन्दिर जी के द्वार पर आरती व पाद प्रक्षालन किया । पदमपुरा महिला मण्डल ने मंगल कलश लेकर भक्ति भाव के साथ संघ की अगवानी की ।

भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक तीर्थंकर दिवस के रूप में मनेगा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

युग के आदि में डूबती मानवता को वचाने वाला जगत को असी,मसी, कृषि, शिल्प, कला और वाणिज्य का उपदेश देकर व्यवस्थित जीवन जीने का मार्ग वताने वाले अहिंसा धर्म के प्रणेता जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदि पुरुष, आदि ब्रह्मा, आदिश्वर आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक श्री दिगंबर जैन दर्शनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र थूबोनजी में बड़े भक्ति भाव के साथ परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से विभिन्न कार्यक्रम के साथ भक्ति भाव से मनाया जायेगा। वैठक के प्रारंभ में दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा जिज्ञासा समाधान में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने आदिनाथ जंयती को तीर्थ दिवस घोषित किया है दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी तीर्थ क्षेत्र के मूल

नायक भगवान श्री आदिनाथ स्वामी की जन्म जयंती भक्ति भाव से मनाने जा रही इस हेतु श्री सुधासागर मार्केट थूवोनजी भवन सुभाष गंज में दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की एक वृहद मीटिंग का आयोजन कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल की अध्यक्षता में किया गया इस दौरान सभी शिरोमणिसंरक्षक सदस्य, परम संरक्षक सदस्य, संरक्षक सदस्य और सभी सातों मंडल के पुजारीजन यहां बैठक में शामिल हो रहे हैं। कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई ने कहा कि जैसा कि आप को वताया गया है हम भगवान के जन्म कल्याणक को झूले के साथ मनायेंगे इस दौरान जन्म कल्याणक पर भगवान को पालने में झुलाया जायेगा कमेटी के मंत्री विनोद मोदी ने कहा कि जिस तरह से भगवान महावीर जयंती पर भंडारा भोजन प्रसादी होती है उसी तरह या सभी मंडलों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में मिठान वितरण किया जाएगा जिससे कि सभी ग्रामीण जन जन्म कल्याणक की खुशी में समलित हो सकें। कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल ने कहा कि इस दौरान स्वस्थ्य शिविर आयोजित कर हम ग्रामीणों के स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्तो का निराकरण कर सके इसके लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा उपाध्यक्ष गिरिश जैन ने कहा कि सभी आगंतुको को समुचित व्यवस्था दी जाए जिससे समारोह कि भव्यता बड़े शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि भगवान के जन्म दिवस पर भगवान की पालकी यात्रा निकालकर कलशाभिषेक कर जगत कल्याण की कामना के लिए शान्ति धारा करें।

नारी सम्मान :- "पुरुषों की पवित्रता के मापदंड तय करे "

भारतीय नारी प्रेम पाने के लिए पुरुषो पर पूर्ण समर्पित रहती है लेकिन पुरुष के लिए नारी दिल बहलाने वाले साधारण खिलौने के समान बन जाती है, जिसका सब कुछ जानकर पुरुष फैसला करते हैं, कि इस नारी रूपी खिलौने के साथ कुछ समय खेलना है या दूसरों को इसके साथ खेलने से रोकना है ? भारतीय नारी जब तक प्रेम की चाहत में खुद को समर्पित करना जब नहीं छोड़ेगी, तब तक भारतीय नारी मानसिक रूप से पुरुषों की गुलाम ही रहेंगी और गुलाम के साथ कैसा व्यवहार होता है ? यह गुलाम के मालिकों पर निर्भर करता है। गुलाम केवल अपने मालिक बदल सकते हैं, लेकिन रहते वो गुलाम ही है। इसी तरह भारतीय नारी बुरा व्यवहार या अपमान होने पर केवल पुरुष बदल सकती है, लेकिन रहती वो पुरुष की गुलाम ही है। बुरा पुरुष बुरे मालिक की तरह बुरा व्यवहार करता है और अच्छा पुरुष अच्छे मालिक की तरह अच्छा व्यवहार करता है भारतीय नारी यदि इस मानसिक गुलामी से मुक्ति पाकर सम्मान पाना चाहती है, तो सबसे पहले इस मानसिकता को समझना होगा कि पुरुष स्वयं चाहे कैसा भी हो, लेकिन पुरुष को पत्नी पवित्र चाहिए। सरल शब्दों में कहें, तो शुद्ध कुँवारी कन्या ! उन पुरुषों की मानसिकता यहीं होती है, कि उन्होंने ऐसी नारी के साथ सम्मानित रिश्ता जोड़कर नारी का जीवन सँवारकर नारी पर एहसान किया है। भारतीय पुरुषों की यह मानसिकता बदलें बिना भारतीय पुरुषों से नारी-सम्मान की आशा करना गलतफहमी पालने जैसा है। अगर भारतीय खुद को समर्पित करने से पहले पुरुषों के सामने उनकी पवित्रता की शर्त रखना शुरू कर दें, तो भारतीय नारी को प्रेम पाने के लिए पुरुषों पर समर्पित होने आवश्यकता ही नहीं रहेंगी। और जब प्रेम मिलता है, तो सम्मान अपने आप मिल जाता है। क्योंकि समर्पण की चाहत रखने वाले समर्पण पाने के लिए केवल प्रेम का सहारा लेते हैं, वास्तव में उन्हें प्रेम होता नहीं है। इसलिए समर्पण पाने के बाद वो बदल जाते हैं। लेकिन जिन्हें प्रेम होता है, उनके लिए आपका सम्मान ही सर्वोपरि होता है। हम अक्सर लड़कियों और महिलाओं से सुनते हैं कि लड़के सिर्फ जिस्म की खूबसूरती से प्यार करते हैं, पुरुष केवल शारीरिक सुन्दरता से प्रेम करते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि लड़के और पुरुष ये अच्छी तरह जानते हैं कि नारी प्रेम पाने के लिए आसानी से अपना सर्वस्व दे

सकती है। भारतीय नारी द्वारा किसी पुरुष को अपना समर्पण केवल तभी देना चाहिए, जब उस पुरुष से शारीरिक समर्पण पाने की इच्छा हो और वो भी अपनी शर्तों पर। इससे पुरुष केवल तभी नारी को प्रेम देंगे, जब उनके मन में नारी के लिए प्रेम होगा। अगर उनके मन में शारीरिक समर्पण पाने की इच्छा होगी, तो प्रेम का दिखावा किये बिना सीधे समर्पण की बात करेंगे। क्योंकि जब नारी प्रेम के लिए समर्पण नहीं करेगी, तो नारी का समर्पण पाने के लिए प्रेम करने का कोई औचित्य ही नहीं रहेगा और समर्पण के लिए प्रेम के नाम पर होने वाली धोखेबाजी समाप्त हो जाएँगी। केवल भारत नहीं, प्राचीन समय से नारी पुरुषों के अधीन थी, इसलिए नारी को पुरुषों द्वारा बनाए रीति-रिवाज और मान-मर्यादा के नियम-कायदों के अनुसार ही चलना पड़ता था। दुनियाँ के सभी धर्म-मजहब, साहित्य, संविधान और कानून में नारी के लिए अभी तक जो भी लिखा, पढ़ा, बताया और समझाया गया है, वो सब समय और परिस्थिति के अनुसार पुरुषों द्वारा ही लिखा, पढ़ा, बताया और समझाया गया है। जो थोड़ा-बहुत महिलाओं ने लिखा, पढ़ा, बताया और समझाया है, वो सब भी पुरुषों से प्रभावित होकर ही लिखा, पढ़ा, बताया और समझाया है। यहाँ कहने का अभिप्राय यह नहीं है कि प्राचीन समय में सब गलत ही था। प्राचीन समय की कुछ बातें समय और परिस्थिति के अनुसार बदलनी चाहिए। कुछ बातें स्वार्थी और चालाक पुरुषों द्वारा मनमाने तरीके से बदलने के कारण मानने योग्य नहीं है। कई वर्ष पहले तक नारी को अपनी इच्छा व्यक्त करने की स्वतंत्रता नहीं थी, इसलिए पुरुषों द्वारा मान-मर्यादा और तहजीब के नाम पर अपने मनमाने विचार नारी पर थोप दिये जाते थे। लेकिन अब पिछले कई वर्षों में तेजी से समय बदला है। अब नारी अपने इच्छा के अनुसार जीवन जीने के लिए स्वतंत्र है। इसलिए जिस प्रकार पुरुषों ने नारियों के लिए पवित्रता के मापदंड बना रखे हैं और उन्हीं के आधार पर नारी का चयन करते हैं। उसी प्रकार नारियों को भी पुरुषों के लिए पवित्रता के मापदंड बनाने चाहिए और उन्हीं पवित्रता के मापदंडों के आधार पर पुरुष का चयन करना चाहिए। इसे सरल तरीके से इस प्रकार समझिए कि जैसे पुरुष के कई महिलाओं से संबंध रहे हो, फिर भी वो कुँवारी मतलब वर्जन लड़की की मांग रखता है। इसी प्रकार नारी को भी कुँवारे मतलब वर्जन लड़के की मांग रखनी चाहिए। आधुनिक भारत की शिक्षित और सक्षम नारी पुरुष का चयन करते समय बहुत मजबूती से यह मांग रख सकती है।जब भारतीय नारी अपवित्रता के कारण पुरुषों को नकारना शुरू करेंगी, केवल तभी भारतीय नारी को भारत में सम्मान प्राप्त हो सकता है। वरना भारतीय पुरुषों द्वारा भारतीय नारी को ममता की मूरत, दया का सागर, करूणा की देवी जैसी चिकनी-चुपड़ी बातें बोलकर दबाया जाता रहेगा और भारतीय नारी तहजीब और मान-मर्यादा के नाम पर मानसिक गुलाम बनी रहेगीं। कई वर्ष पहले तक नारी द्वारा पुरुषों की पवित्रता के मापदंड तय करना संभव नहीं था, लेकिन पिछले वर्षों में भारतीय नारी जिस प्रकार विकसित हुई है, उससे अब यह संभव हो गया है। फिर भी भारतीय नारी इसका लाभ उठाने की बजाय कपड़े, सिगरेट-शराब और सिन्दूर-बिंदी में उलझी हुई है। ये व्यर्थ की बातें छोड़कर आधुनिक भारत की शिक्षित और सक्षम नारियों को विशेषकर युवा लड़कियों को इस स्वतंत्रता का लाभ उठाकर अपनी बुद्धि और अपने विवेक का प्रयोग करके सोच-समझकर सही-गलत और अच्छे-बुरे पर विचार करके अपनी स्वयं की विचारधारा बनानी चाहिए।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

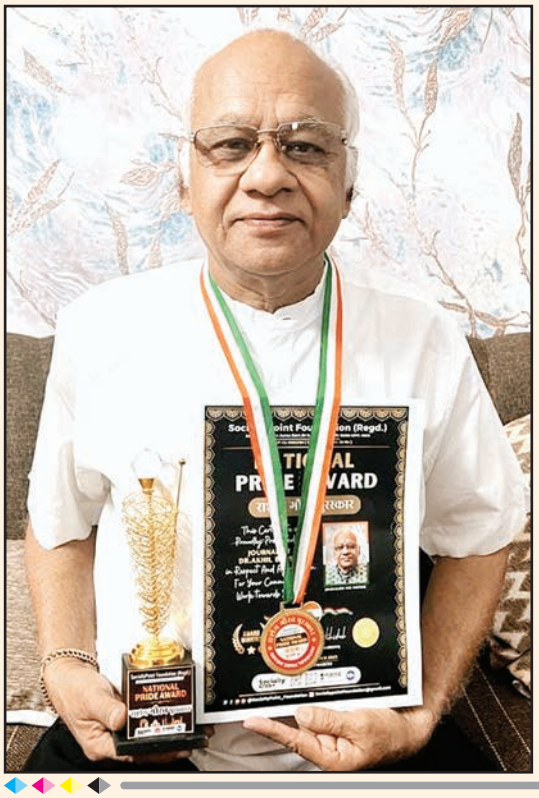

डॉ. अखिल बंसल राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। समन्वय वाणी पाक्षिक का विगत 42 वर्षों से निरंतर संपादन व प्रकाशन कर पत्रकारिता के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करते हुए विगत कुछ वर्षों से अथाई समूह व आशा इंटरनेशनल के माध्यम से साहित्यिक गतिविधियों एवं मानव सेवा व जीव दया के क्षेत्र में अलख जगाने वाले डॉक्टर अखिल बंसल अब किसी परिचय के मोहताज नहीं है । आपकी अनेक मौलिक व संपादित कृतियों ने आपका मान बढ़ाया है। समय-समय पर आपको पत्रकारिता साहित्य व समाज सेवा के लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें बुंदेलखंड साहित्य व संस्कृति परिषद के मंच से दैनिक भास्कर के सौजन्य से तत्कालीन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा आपकी कृति क्रांतिवीर मर्दनसिंह के लिए छत्रसाल राष्ट्रीय पुरस्कार, उम्मीद रत्न सम्मान एवं 1 लाख 11 हजार की राशि से कुंदकुंद भारती दिल्ली द्वारा प्रदत्त आचार्य विद्यानंद पुरस्कार सम्मिलित हैं। आप पत्रकारिता के साथ समाजसेवा व साहित्यिक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं इसके लिए सोशली पॉइंट फाउंडेशन इंदौर मध्य प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से आपको सम्मानित किया गया है ।फाउंडेशन के संस्थापक अमित प्रजापति ने बताया कि यह सम्मान प्रतिवर्ष उन शख्सियत को दिया जाता है जो समाज में सामाजिक परिवर्तन लाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार प्रतिवर्ष साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता व समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मानवता वादियों को सम्मानित करने का प्रयास है। फाउंडेशन की चयन समिति ने बताया कि डॉ बंसल को यह सम्मान पत्रकारिता एवं साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु दिया जा रहा है।

मंगलम आनंदा, जयपुर में नि:शुल्क होम्योपैथी चिकित्सा प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति, मंगलम आनंदा, जयपुर के तत्वावधान में दिनांक 9.03.2023, गुरुवार को प्रातः 9.00 बजे जिनालय में स्थित तलघर में निःशुल्क होम्योपैथी उपचार का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से की गई कउसके बाद मंदिर समिति के अध्यक्ष पदम् कुमार जैन ने नवीन जिनालय निर्माण एवम् भविष्य की योजनाओ पर प्रकाश डाला कश्रेष्ठी अजित तोतुका परिवार एवम् समाज के अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलन किया क तत्पश्चात श्रीमती शशी तोतुका द्वारा फीता खोलकर होम्योपैथी औषधालय का शुभारम्भ किया कसमिति के उपाध्यक्ष अतुल पाटनी को औषधालय संचालन की जिम्मेदारी दी गई कडा. अंजु लता मंगल अपनी निः शुल्क सेवाएं प्रदान करने का आश्वासन दियाकआगे आने वाले समय मे एलोपैथिक एवम फिजियोथेरेपी इलाज की व्यवस्थाएं शुरू की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान सकल जैन समाज एवं मंगलम आनन्दा के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और सभी ने मंदिर समिति के प्रयासों की सराहना की। औषधालय का दैनिक समय प्रातः 10.30 से 11.30बजे का रहेगा। कार्यक्रम के अंत में मंदिर समिति के मंत्री सुरेश कुमार जैन ने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद एवम् आभार व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

उस्ताद हिदायत खां का स्मृति समारोह 18 मार्च को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के सुप्रसिद्ध तबला नवाज उस्ताद स्व.हिदायत खान म्यूजिक फेस्टिवल दिनांक 18 मार्च 2023 को जयपुर के शास्त्री नगर साइंस पार्क ऑडिटोरियम में आयोजित होगा।इस कार्यक्रम में देश के विख्यात तबला वादक व गायक अपनी प्रस्तुति देंगे, जिनमें उस्ताद फजल कुरेशी,पंडित नीरज पारीक, तबला माएस्ट्रो शादाब शकूरी, सारंगी उस्ताद दिलशाद खान और वाहिद खान आदि जाने-माने विख्यात कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम संयोजक शादाब शकूरी ने बताया यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक दो पारियों में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क रहेगा।

महाविद्यालय में 'स्वर विज्ञान का जीवन में महत्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय सांगानेर,जयपुर में सुविख्यात वास्तु विद एवं स्वर वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र जैन का व्याख्यान आयोजित हुआ। उन्होंने अपने व्याख्यान में स्वर विज्ञान के महत्व एवं गुणों के विषय में चर्चा की। महाविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ. जया द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. राजेंद्र जैन ने समस्त विद्यार्थियों को स्वर विज्ञान के माध्यम से अध्ययन क्षेत्र में कैसे प्रगति कर सकते हैं, इस विषय में जानकारी प्रदान की। स्वर विज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अपने मनोवांछित कार्य पूर्ण कर सकता है। व्यक्ति स्वर विज्ञान को अपने जीवन में धारण करके जीवन को सफल, सार्थक एवं स्वस्थ बना सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजश्रेष्ठी राजेंद्र के.शेखर ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अध्यक्ष एन.के. सेठी, संयुक्त मंत्री सी. ए. कमल कुमार जैन, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन,आदिनाथ पब्लिक स्कूल की आचार्या सुश्री पवना जैन, महाविद्यालय के समस्त सम्मानित प्राध्यापक गण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ ने कोटा थर्मल में हर्षोल्लास से मनाया स्थापना दिवस

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। सुपर थर्मल पावर की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बल ने कोटा थर्मल के परेड ग्राउण्ड में उप कमाण्डेन्ट श्री तरुण कुमार ढ़लवानी की अध्यक्षता में 54 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोटा थर्मल के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता एम के सोमानी शामिल हुए। इस स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सेरेमोनियल परेड का आयोजन किया गया परेड का नैतृत्व कर रहे उपनिरीक्षक एम के यादव ने मुख्य अतिथि को सलामी दी। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए राष्ट्र सुरक्षा में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के योगदान की सराहना की और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सभी अधिकारियों एवं जवानों को इस स्थापना दिवस की शुभकामनायें एवं बधाई दी और बल के सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

जेएसजी जनक संगिनी की कविता जैन अध्यक्ष, निधि जैन सचिव बनी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी जनक संगिनी के सत्र 2023-25 के लिए अध्यक्ष कविता जैन,सचिव निधि जैन, कोषाध्यक्ष इस्मिता जैन को बनाया। अध्यक्ष रश्मि जैन ने बताया कि चुनाव निर्विरोध हुए शिखा पाटनी, नीलू जैन, डॉली जैन, सीमा जैन,मीनाक्षी सोगानी, प्रियंका राणा, अंजु पाटनी, विजय लक्ष्मी रूपल, स्नेहलता, संगीता काला, रागिनी,सुनीला, रेखा मित्तल, मन्नु जी सभी को बहुत बहुत बधाई सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगा कर होली मिलन के साथ प्रोग्राम का समापन किया। पीआरओ मीनाक्षी सोगानी ने बताया कि सब कार्यकारिणी के सहयोग से समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करेंगे।

महावीर स्कूल में 17 वां हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

हास्य-व्यंग्य की फुहारों से भीगत रहे काव्य रसिक

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगर की फाल्गुनी बयार के बीच जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फैडरेशन नॉर्दर्न रीजन व जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के बैनर तले 17 वां हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल प्रांगण में आयोजित किया गया। इस मौके पर देश भर से आए ख्यातनाम कवियों ने कविताओं के माध्यम से हास्य-व्यंग्य की ऐसी फुहारों बिखेरी कि लोग देर रात सतरंगी व नवरसी काव्यरस में भीगते रहे। इस शाम कवियों ने राजनीतिक घटनाओं के साथ-साथ देश-दुनिया की वर्तमान दशा पर व्यंग्य वाण छोड़कर व्यवस्था पर तीखे प्रहार तो किए तो साथ ही वीर व श्रंगार की कविताओं से काव्य रसिकों को खूब तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों का हौंसला बढ़ाया। कवि सम्मेलन के मुख्य समन्वयक सुभाष चंद जैन ने बताया कि कवि सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्जवलनकर्ता सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश चंद-कुसुम जैन के साथ ही मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी सुनील-उषा पहाड़िया, विशि ष्ठ अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता राजस्थान हाईकोर्ट महेन्द्र-कुसुम शाह, मुकेश-दीपा मेटा क्राफट, युवा गाजियाबाद ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के अध्यक्ष अमर

समाजसेवी अजय-माया कटारिया, सम्माननीय अतिथि जेएसजीआईएफ मुंबई के निवर्तमान अध्यक्ष कमल संचेती, जेएसजीआईएफ मुंबई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन व अध्यक्षता समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन जैन व सचिव राजेन्द्र जैन, समन्वयक सुधीर गंगवाल, नरेश रांवका व नवीन जैन आदि ने अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद शुरू हुआ कवि सम्मेलन जिसमें इंदौर से आए कवि पं. रोहित झन्नाट ने थाम कर तू हाथ मेरा जीवन बना दे,इस अंतर्मन के पतझड़ को सावन बना दे..दु:खों के दावानल से तप रहा है ये मन मेरा तू आजा मेरे चितवन को मधुवन बना दे...तो वहीं भीलवाड़ा के दीपक पारीक ने गुजरा जो वक्त आज बहारों के बीच में,.हमने भी कर दी शायरी यारों के बीच में। रिश्ते सुधारने हो तो दीवार तोड़ दो,क्यों झाँकते हो रोज दरारों के बीच में...जैसी कविताएं सुनाई। कवि सम्मेलन के दौरान इटावा से वीर रस के कवि गौरव चैहान ने सैनिकों की शौर्य वाला रंग आंखों में चढ़ों आंखों वाला नीर तब गंगा लगाने लगा,सरहद पर उड़े जो वीरता के कई रंग,सारा आसमां ही तिरंगा लगने लगा...जैसी कविताओं से काव्य प्रेमियों की खूब दाद पाई। इधर चंदेरी से आए कवि सौरभ भयंकर ने दिल पर उसके नैन कटारी,हमने हंसकर झेली है.हमने अपने खूने जिगर से,अक्सर होली खेली है। प्यार मोहब्बत करने का अंजात यही देखा हमने,मैं भी बहुत और वो भी बहुत अकेली...जैसी कविता सुनाई। इस दौरान मुंगावली से आए पंकज जैन फनकार ने दिल की बात जो बेवयां समझती है। हर बच्चे को उसकी मां समझती है। मुझे तो फिक्र है सारे जहां की मगर। मेरी मां मुझी को जहां समझती है..जैसी कविताएं सुनाकर कवि सम्मेलन को परवान चढ़ाया। इस दौरान धार के कवि संदीप शर्मा व मुंबई से आई श्रंगार रस की कवयत्री राणा तबुस्सुम ने अपनी कताओं के माध्यम से कवि सम्मेलन को नई उंचाईयां प्रदान कीं। इस दौरान श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, भाजपा युवा नेता जितेन्द्र मीणा, समाचार जगत के सम्पादक शैलेन्द्र गोधा, जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन नार्दन रीजन चेयरमैन राजेन्द्र ढाबरिया, चेयरमैन इलेक्ट महेन्द्र सिंघवी सहित काफी संख्या में समाज के गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। मंच संचालन मनीष बैद ने किया।

वुमेन्स पावर-2023 में 2 नारी गौरव सम्मान सहित विभिन्न क्षेत्रों में 11 प्रतिभाओं का किया सम्मान

भट्टारकजी की नसियां में हुई अनूठी प्रस्तुति-आज की नारी शक्ति-आत्म निर्भरता

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में शनिवार 11 मार्च को भट्टारकजी की नसियां में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वुमेन्स पावर-2023 महिलाओं के लिए विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर 2 महिलाओं को नारी गौरव सम्मान तथा 9 महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दोपहर 1 बजे से शुरू हुए इस आयोजन में विभिन्न गीतों पर नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, नारी उत्थान , चिकित्सा व मोटिवेशनल उदबोधन हुए, महिलाओं के स्वास्थ्य पर टाक शो किया गया। लक्की ड्रा,बम्पर हाऊजी, नृत्य नाटिका सहित मनोरंजन के कई कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेविका रेणू राणा थी। अध्यक्षता समाजसेविका ऋतु कासलीवाल ने की। गौरवमयी अतिथि समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष अर्चना शर्मा, पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, समाजसेविका त्रिशला गोधा थी। अतिथियों द्वारा भगवान आदिनाथ का चित्र अनावरण के बाद दीप प्रज्जवलन समाजसेविका मिताली सोगानी जापान वालों ने किया। विशिष्ट अतिथि समाजसेविका दिशा ठोलिया,राखी गंगवाल, नीरु मेहता,मधु जैन, शशि तिजारिया, आशा रावका,अनिता ठोलिया,अंजू बैराठी,माया कटारिया,अंजू जैन, प्रिति झांझरी थी। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर उल्लेखनीय कार्यो के लिए समाजसेविका एवं कैंसर केयर अनिला कोठारी एवं जिला प्रमुख टौक सरोज बंसल को नारी गौरव से सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाज की सृष्टि जैन, शिप्रा जैन का प्रशासनिक क्षेत्र,बीना जैन का शिक्षा, एडवोकेट बरखा जैन विधि एवं न्याय, डॉ ज्योति सेठी धार्मिक, डॉ अंजलि जैन, डॉ प्रियल जैन, डॉ अनामिका पापडीवाल, डॉ सुनिता जैन का चिकित्सा क्षेत्र में प्रतिभा सम्मान किया गया। रंग बिरंगी साड़ी पहने हुए महिलाओं से तोतूका सभागार खचाखच भरा हुआ था। अन्त में लक्की ड्रा बम्पर हाऊजी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

5 दिवसीय ऑल इंडिया मल्टी मीडिया प्रिंट मेकर्स कैंप शुरू

राजस्थान ललित कला अकादमी अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी में कला की अग्रणी संस्था टखमण के 57 बरस पूर्ण होने पर शनिवार को पांच दिनी मल्टी मीडिया प्रिंट मेकर्स कैंप का आगाज हुआ। राजस्थान ललित कला अकादमी अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने शिविर का उद्घाटन किया। इस खास मौके पर उन्होंने अकादमी की ओर से कला और कलाकारों के हितार्थ हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। साथ ही उम्मीद जताई कि आगामी पांच दिन उदयपुर सहित दिल्ली, हरियाणा, पुणे, वड़ोदरा के अलावा देश के अन्य राज्यों से आए प्रिंट मेकर्स की कला के फन का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। समन्वयक संदीप पालीवाल ने बताया कि अंबामाता स्कीम स्थित टखमण आर्ट सेंटर पर आयोजित इस शिविर में वड़ोदरा से पी डी धुमाल, जयंती रबाड़िया और विजय बागोडी, पुणे से हिना भट्ट, कुरुक्षेत्र से ईशु जिंदल, दिल्ली से डॉ.शीतल चौधरी, जयपुर से विद्यासागर उपाध्याय, उदयपुर से प्रो.सुरेश शर्मा, एल एल वर्मा, ललित शर्मा, आर के शर्मा, ज्योतिका राठौर, डिंपल चंडात, डॉ.एम एल जाट, डॉ. सुनील निमावत, डॉ. रघुनाथ शर्मा और शाहिद परवेज भागीदारी निभाएंगे। उद्घाटन अवसर पर प्रवासी विमला उपाध्याय ने वरिष्ठ कलाकार ओ डी उपाध्याय स्मृति में कला परिसर में आर्टिस्ट रेजिडेंसी बनाने की पहल पर अपनी ओर से सहायता और सहयोग की घोषणा की। वहीं, हिना भट्ट ने ग्राफिक स्टूडियो के पुनर्निर्माण और रखरखाव पर संतोष व्यक्त करते सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस दौरान महाराष्ट्र के वरिष्ठ मूर्तिकार सुधाकर बेलेकर, वरिष्ठ चित्रकार प्रो. सुरेश शर्मा, एल एल वर्मा, सुभाष मेहता, जुगल किशोर शर्मा, संदीप मेघवाल, केशव वरणोती, बसन्त कश्यप, राजेश कुमार, मकबूल अहमद, डॉ. चित्रसेन, नसीम अहमद, जयेश सिकलीगर, नवल सिंह चौहान, अजय मिश्रा, अमित सोलंकी, सोफिया, समता पाठक, युनूस परवेज सहित अन्य कई स्थापित और नवोदित कलाकार उपस्थित थे। बता दें, यह शिविर राजस्थान ललित कला अकादमी, हिना भट्ट आर्ट वेंचर्स, राजस्थान फोरम, आर्ट एंड कल्चर (राजस्थान सरकार) और टखमण 28 के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है।

रिपोर्ट/ फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939